इब्रानियों, अध्याय दो [1]

... ? ... यहाँ कक्षा में था और आनंद लिया... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] और अब इब्रानियों की पहली किताब, पौलुस है, हमने पाया, या हम विश्वास करते हैं। धर्मज्ञानी अंत में हैं; वे नहीं जानते कि इसे तब कौन या किसने लिखा। लेकिन, मैं विश्वास करता हूँ, जो कोई भी थोड़ी आत्मिक समझ रखता है, वह देख सकता है कि वह पौलुस था। इसे—इसे अधिकांश लेखकों द्वारा, विश्वास किया गया है, यह पौलुस होगा। और कैसे वो...

2 1ले अध्याय में, हमने देखा कि यह प्रभु यीशु को ऊँचा कर रहा था। ओह, उसने कैसे नीचे लाया, अनुभव के द्वारा—द्वारा दिखाने के लिए जो उसके पास दमिश्क के रास्ते पर मिला था। अब, पौलुस, आरंभ में, एक वास्तविक धर्मज्ञानी था। पौलुस की गमलीएल के नीचे शिक्षा प्राप्त हुई थी, जो उस समय के सबसे अच्छे शिक्षकों में से एक था। और वह चतुर और बुद्धिमान था, और एक वास्तविक चतुर बाईबल का विद्वान था।

3 और मैंने इसे पाया, जब वह दमिश्क के रास्ते पर था, उसकी जेब में दस्तावेज थे, उन सभी लोगो को गिरफ्तार करने के लिए जो धन्य पुराने सुसमाचार के मार्ग पर थे, और वह मनुष्य ईमानदार था। लेकिन, मैंने हमेशा ही विश्वास किया है कि जब से पौलुस ने स्तिफनुस को मरते देखा है, मैं सोचता हूँ कि वो अवश्य ही उसके ठीक बगल में होगा। जब उसने स्तिफनुस की मृत्यु की सहमती दी, और जिन्होंने उस पर पत्थरवाह किया उनको ढाका, तब पौलुस स्तिफनुस के लहू का दोषी था। और उसने अंगीकार किया, और कहा, "मैं यहाँ तक योग्य भी नहीं हूँ," कहा, "क्योंकि मैंने उसका—उसका लहू बहाया है, उस शहीद, स्तिफनुस का।" क्योंकि, उसने इसका साक्षी था।

4 और यदि आप किसी भी चीज के साक्षी हैं, तो आप उसके भागीदार होने के जैसे ही दोषी होते हैं। तो यदि हम गवाह होते हैं, कहते हैं, "ओह, हाँ, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, ऐसा *फलां–और–फलां*," सावधान रहें आप जो कहते हैं, क्योंकि आप दोषी होते हैं उसी तरह से आपका न्याय होता है। यदि आप निर्णय को नहीं ले सकते हैं, तो कुछ भी न कहें,

बस इसे ऐसे ही छोड़ दें। फिर जब आप गवाही देते हैं कि आप एक मसीही हैं, तो आप दोषी हैं। देखा? आप एक मसीही होने के दोषी हैं, और आपको उसके लिए अवश्य ही जीना होगा। और जब परमेश्वर बाईबल में एक—एक प्रतिज्ञा को करता है... मैं यहाँ व्हीलचेयर में एक क्यक्ति को देखता हूँ। जब परमेश्वर कोई प्रतिज्ञा को करता है, तो वह उस प्रतिज्ञा के लिए दोषी होता है, जब तक कि वह उसे पूरा न कर दे। वो, परमेश्वर दोषी है जब वह एक प्रतिज्ञा को करता है। और वचन तब तक दोषी हैं जब तक वे पूरे नहीं हो जाते। देखा? वे—वे ठीक वहां पर है एक—एक बयान के नाई जिसे परमेश्वर ने दिया है। और इसे पूरा करना ही होगा या परमेश्वर दोषी होता हैं। देखा?

5 और इसलिए पौलुस, एक शिक्षक होने के नाते, और उस दिन दमिश्क के रास्ते पर आ रहा था, लगभग, दोपहर के लगभग लम्बे समय, मैं समझता हूँ। आकाश में से एक महान प्रकाश चमक रहा था, और उसने उसे अंधा कर दिया, और वह—वह जमीन पर गिर पड़ा। और उसने कहा कि वह जानना चाहता है कि वह कौन था। उसने कहा एक आवाज बोली, और कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? " मैं सोचता हूँ ये प्रेरितों के काम के 8वें अध्याय पर है।

और उसने कहा, "वह कौन है जिसे मैं सताता हूँ? "

6 और आवाज वापस आयी, और कहा, "मैं यीशु हूँ।" ओह! "मैं यीशु हूं, और पैने पर लात मारना तेरे लिये कठिन है।" और तब यीशु क्या था? यीशु, वो प्रकाश था, बस एक बड़ा प्रकाश तेज चमक रहा था।

7 अब हमें प्रोत्साहित करने और यहां बुनियाद को पाने के लिए। वो किस तरह से एक प्रकाश था, जब कि वो एक मनुष्य था? अब, कोई नहीं...

वहां पौलुस के साथ सिपाहियों का एक झुंड था, जो मंदिर के पहरेदार थे, गिरफ्तार करने के लिए वहां नीचे जा रहे थे। पौलुस मुख्य कप्तान थे। और वे उन लोगों को गिरफ्तार करने के लिए वहां नीचे जा रहे थे, क्योंकि वे उनके अभियान और आदि कर रहे थे, और उनके धार्मिक आशा के लिए जो उनके भीतर रखी हुई थी।

8 लेकिन, अब, यहाँ यीशु एक बड़े प्रकाश के रूप में था। अब, यदि आपको याद हो, आरंभ में, यीशु एक प्रकाश था। यीशु वो लोगोस था जो परमेश्वर में से निकला था। और वो... वो वाचा का दूत था जिसने जंगल में

से होते हुए इस्राएल की संतान की अगुवाही की। और वह अग्नि का खंभा था जिसे उन्होंने देखा। और वह था... और जब वह यहां धरती पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास वापस जाता हूं।" सो यदि वो अग्नि के खंभे से एक मनुष्य में आया, सो यदि वह वापस चला गया जहां पर वो था, वह फिर से वापस एक प्रकाश में चला गया। और वहाँ पर वह था जब पौलुस ने उसे देखा, वह एक प्रकाश था।

9 अब, वे सारे सैनिक जो पौलुस के साथ थे, उन सब ने प्रकाश को नहीं देखा। तो क्या यह संभव है कि कोई इसे देख सकता है और दूसरे इसे न देखें? निश्चित ही ऐसा है। तो ठीक है। वो, पौलुस, ने इसे देखा, लेकिन उनमें से बाकी लोगों ने प्रकाश को नहीं देखा।

10 अब, जब पतरस जेल में था, हम देखते हैं कि यह प्रकाश जेल में आया, उसने द्वार को खोल दिए। और वह... उस प्रकाश ने बाकी पहरेदारों को अंधा कर दिया, जैसे ही वे बाहर चले गए, पतरस जाने लगा। और जब वो दरवाजे पर पहुंचा, तो ये अपने आप ही खुल गया, धीरे से, उसके पीछे बंद हो गया। भीतरी जेल से लेकर, वो बाहरी दरवाजे पर आ गया। ये अपने आप खुल गया, धीरे से बंद हो गया। और फिर वह खाली जगह में चला गया, नगर के रास्ते में चला गया। और वो अपनी आँखें को मलने लगा, जैसे कह रहा हो, "क्या मैं सपना देख रहा था? " वो नहीं जानता था कि क्या घटित हुआ था। लेकिन, प्रभु का दूत, वही दूत जो आग का स्तंभ था जो चला, मूसा के लिए समुद्र में और उसने अपने को फैला दिया, ओह, और मृत सागर... और लाल समुद्र के बीच दोनों ओर से दीवार खड़ी हो गयी और इस्राएल पार हो गया।

11 और जब वे उमरती हुई यरदन पर पहुंचे, तो उस ने वहां अपने आप को दृश्य में नहीं लाया। लेकिन वह वहां था, क्योंकि उसने इसे खोल दिया था। और वे अप्रैल में उस पार चले गए, जब सारी समतल भूमि पानी सें भरी हुई होती है। और उसने वसंत को रोका, और उसने बर्फ को पिघलने रोके रखा, क्योंकि इसने ऊंची और ऊंची दीवार नहीं बनाया; ये बस रुक गया। यही हमारा यहोवा है। यही हमारा प्रभु यीशु है। बस रुक गया; और वे सूखी भूमि पर से चले गए।

12 अब, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी कि वह उनकी देखभाल करेगा, इसलिए वह अपने प्रतिज्ञा के प्रति बाध्य था। अब, पौलुस, इन बातों

से अवगत था, और उन्हें जानते हुए, उसे सौभाग्य प्राप्त हुआ, क्योंकि परमेश्वर सीधे पौलुस से बात कर रहा था। वो सैनिकों से बात नहीं कर रहा था जो उसके साथ थे। वो केवल पौलुस से बात कर रहा था।

13 अब, जब—जब प्रभु का दूत एक तारे के रूप में नीचे उतर आया; और तारे–को निहारने वाले, भारत के ज्ञानी पुरुष, जब उन्होंने उस तारे को देखा और सैकड़ों मील तक उसका पीछा किया। और वह सारे वेधशालाओं के ऊपर से गया, क्योंकि उन्होंने समय को तारों के द्वारा रखा। और उस तारे को किसी ने नहीं देखा सिवाय उन ज्ञानी पुरुषो के। ओह, प्रभु! क्या यह आपको उत्तेजित नहीं करता है?

14 उसके बाद, आप देखते हैं, परमेश्वर संगठनों के साथ व्यवहार नहीं करता है। वह लोगों के झुंडो के साथ व्यवहार नहीं करता है। वह व्यक्तिगत के साथ व्यवहार करता है। वह स्वयं को व्यक्तिगत के लिये प्रकट करता है। और अब—अब इसे कहना, यह नहीं... परमेश्वर मेरे ह्रदय को जानता है। और इसे अपने व्यक्तिगत के नही कहता हूँ, ना व्यक्तिगत स्तुती के लिए; अब, बस वहाँ होने के लिए। लेकिन, क्या आप जानते हैं, वही परमेश्वर, वही यीशु आज सुबह हमारे साथ हैं? क्या आप जानते हैं, आप में से हर एक के पास, ठीक अभी इसका एक छोटा सा, व्यक्तिगत गवाह है, कि वो यहाँ पर है? और... उसने इस दिन में हमारे लिए कुछ ऐसा किया है जो उसने किसी और दिनों में नहीं किया; उसने इस दिन में उसकी तस्वीर को लिया था। हमने इसे ठीक वहां पर लटका कर रखा है। देखा? अग्नि का खंभा, वही प्रभु यीशु।

15 देखो कि वो अब किस तरह से काम को करता है। यदि वो वही प्रभु यीशु है, तो वो वही कामो को करेगा, क्योंकि बाईबल के लिए कहा, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

16 अब, इससे पहले कि पौलुस कुछ भी घोषणा करता, कि यह सही था या गलत, वो पहले वहां मिस्र में गया, और तीन वर्ष यह पता लगाने में लगे, कि क्या यह वचन के अनुसार है या नहीं। क्या आप कभी यह जानते थे? पौलुस के परिवर्तन होने के बाद, वह तीन वर्ष के लिए मिस्र में चला गया। वह वहीं पर बना रहा, और वहां है जहाँ उसने इस महान ज्ञान सीखा।

17 अब, बिल्कुल किसी से भी तुलना में नहीं, मैं आपको सिर्फ यह बता रहा हूं कि कैसे पवित्र आत्मा अभी भी वैसे ही बना रहता है। अब, मेरे कलीसिया को यहाँ याद होगा, वर्षों पहले, जब यह दूत प्रकट होता और उन चीजों को दिखाता था। मैं इसे लेकर थोड़ा संदेहवादी था। आप सभी यह जानते हैं, जो पुराने समय के लोग है। यदि आप... यदि यह सही है, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं जब आप सुनते है। जी हां। देखो, कलीसिया की ओर देखो, अब भी, पुराने समय के लोगों से। देखा? मैं संदेह में था, क्योंकि प्रचारकों ने मुझे बताया कि यह शैतान की और से था। और मैंने एक प्रकार से इस पर विश्वास किया, लेकिन मैं रुका रहा। मैं इसके बारे में कुछ नहीं कहूंगा।

18 लेकिन, ओह, प्रभु का नाम धन्य हो! एक रात, उस और, वह नीचे आया, एक दूत, और वचनों में इसे प्रकट किया, कि वो था। और जब मैंने इसे वचनों में देखा, उसके बाद इसके साथ संसार भर में विस्फोट करने के लिए, संदेश था।

19 वहाँ से ओरल रॉबर्ट्स, ए.ए. एलन, टॉमी ओसबोर्न, टॉमी हिक्स, और जो भी है निकले। देखा? यह लोगों के लिए एक संदेश है।

20 और यीशु कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वचन के अनुसार है, वह एक सा है। वह उसी को करता है। वह वही है। और वो वही काम को करता है। वह अपने आप को वैसे ही प्रकट करता है। और वह यहाँ पर है, आज सुबह, वही। अब हम हो सकता है उसे देखे; हम हो सकता है ना देखे। जो भी है, हमारे पास ठीक अभी एक गवाह है कि वो यहाँ पर है।

21 अब, हम देखते हैं कि, पौलुस, इस अनुभव के ऊपर, और इन पत्रीयों को लिखते हुए, उनमें से ज्यादातर, जेल में से, उसने पुराने और नए नियम की तुलना की थी। अब याद रखे, इस बाइबल का अंतिम लेखक, प्रेरणा के द्वारा, परमेश्वर ने नीचे आकर उसे बताया, "यदि कोई भी मनुष्य उस में कुछ मिलायेगा या इसमें से कुछ भी निकलेगा, उसी तरह से उसके लिये जीवन की किताब के भाग में से निकाल लिया जाएगा।" तो हम इसमें एक चीज़ भी जोड़ने की हिम्मत नहीं करेंगे। ओह, यह अवश्य ही जैसा है वैसा ही रहना चाहिए, इसमें कुछ भी नहीं जोड़ा जाना चाहिए। और हमें अवश्य ही हर एक चीज के लिए यत्न करना है जो इसमें है। मैं अब और अधिक

नहीं चाहता, और मैं कुछ कम नहीं चाहता। मैं बस वही चाहता हूँ जो यह कहता है।

22 अब, इब्रानियों की यह किताब, जिस कारण से मैंने इसे चुना है; एक उद्देश्य, एक चीज; यह पत्री, "प्रिय भाई ब्रंहम," और इत्यादि। और मैं—मैं, हम वचन के साथ बने रहना चाहते हैं।

23 अब, 1ला अध्याय, यीशु को ऊँचा उठा रहा था, इसलिए वो एक मुख्य है। और पौलुस ने एक रात को हमें बताया, कि वह बहुत पहले आदि में था। और हमने देखा कि वह किसी "शालेम के राजा मल्कीसेदेक," से कम नहीं था, 7 वें अध्याय का महान।

24 और अब, आज सुबह, हम दूसरे—दूसरे दृष्टिकोण से उसकी ओर जाते हैं, 2रे अध्याय से। अब, जब पौलुस ने हमें इस महान, अद्भुत सन्देश को दिया, यीशु को ऊंचा उठाते हुए, "और यहाँ तक दूतों को भी उसकी आराधना करने के लिए बनाया।" और मैं सोचता हूँ, यहाँ पर, जैसे कि धरती, यह कितनी पुरानी है: "और वो उसे वस्त्र की नाई मोड़ेगा, लेकिन वे नाश हो जाएंगे, लेकिन तू बना रहेगा।"

25 और दूसरे अध्याय में, मतलब, दूसरे पद में, मैं सोचता हूँ कि यह है, "उसने इन दिनों में हम से अपने पुत्र के द्वारा बातें की हैं।" और देखो, "विविध समयों और भिन्न–भिन्न तरीके से उसने भविष्यवक्ताओं के द्वारा बात की।" हम इसमें से होकर गए है और पाया है कि भविष्यद्वक्ता क्या थे, और परमेश्वर ने किस तरह से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा अपने सन्देश को लाया। "परन्तु इस अंतिम दिन में वो अपने पुत्र, यीशु के जरिये से, पवित्र आत्मा के द्वारा बोला। उस वक्त वो भविष्यद्वक्ताओं के जरिये से बोला।" तब हम ने पीछे जाकर और पाया, कि उन सारे भविष्यद्वक्ताओं के पास उनमें मसीह का आत्मा था।

26 हम पीछे यूसुफ की ओर गए और देखा कि वो सिद्ध रूप से मसीह का नमूना था। पीछे मूसा की ओर गए और देखा कि वो सिद्ध रूप से मसीह का नमूना था। फिर हम आगे उसके बाद दाऊद के पास आते हैं। और जब दाऊद को यरूशलेम में अस्वीकार कर दिया गया था, नहीं जानते हुए क्यों, लेकिन वो ऊपर पहाड़ी पर गया और पीछे मुड़कर देखा, जैतून के पहाड़ पर, और यरूशलेम के लिये रोया, क्योंकि उसे ठुकरा दिया गया था। तब से आठ सौ वर्ष बाद, दाऊद का पुत्र यरूशलेम में राजा के रूप में अस्वीकार

कर दिया गया था, और उसी पहाड़ी पर बैठकर और रोया था। ओह, मसीह की आत्मा, व्यक्तिगत के साथ व्यवहार कर रही है!

27 अब, पौलुस कहना आरंभ करता हैं:

इस कारण चाहिए, कि हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं, ...

28 2रा अध्याय, अब, हम आरंभ कर रहे हैं।

इस कारण चाहिये, कि हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं, ऐसा न हो... कि बहक कर उन से दूर चले जाएं।

29 ओह, होने पाए परमेश्वर आज सुबह इस आराधनालय में, इसे ह्रदय में डाले। मैं प्रार्थना करता हूं कि पवित्र आत्मा इसे आपके ह्रदय में बहुत गहराई में डाल दे। "हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं।" हम किस प्रकार के लोग होंने चाहिए, जब हम महान यहोवा को नीचे उतरते और उन कामों को करते हुए देखते है जिसे वो करता है, और देखते है कि उनकी तुलना वचन दर वचन करता है, कि वे सत्य हैं? और हम कभी–कभी एक लट्ठे पर उभार की तरह बैठे रहते हैं, और बस बिल्कुल ही कोई दिलचस्पी नहीं रखते। हमें हर मिनट व्यस्त रहना चाहिए, लोगों को मसीह के पास लाने का कोशिश करना चाहिए। हमें जीवित पत्थर होना चाहिए। हम जैसे आलसी हैं वैसे कभी आलसी नहीं होना चाहिए। हम वहां कलीसिया जाएंगे, और हम देखेंगे कि प्रभु यीशु कुछ तो करेगा, या—या हमें इस तरह आशीष देगा, और उसके बाद हम—हम वापस बाहर जाएंगे और कहेंगे, "बहुत ही सभा थी।"

30 अब, वचन का प्रचार करना, हम इसका आनंद लेते हैं, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है। ऐसा नहीं है। वचन का प्रचार होने के ठीक बाद हमें प्रभु की आराधना नहीं करनी चाहिए, जैसा कि हम आमतौर पर करते हैं, बस उसकी आराधना करे। यह बहुत ही अच्छी बात है। लेकिन हमें अपने जीवन के हर एक घडी उसकी आराधना करनी चाहिए। जब हम काम पर होंते है, तो हमें उसकी आराधना करनी चाहिए। जब भी मौका मिले, प्रभु के लिए बताते हुए उसकी आराधना करें।

यदि आप देखो, आप में से कुछ महिलाये, एक महिला को गलती में देखते हैं, तो उसे उठाते हुए प्रभु की आराधना करें और कहें, "बहन, वहां इससे भी अच्छा जीवन है।"

31 आप पुरुष जो अपने काम में होते है, जब आप किसी मनुष्य को प्रभु के नाम का व्यर्थ उपयोग करते हुए सुनते है, एक तरफ से मौका पाकर और वहां पर जाओ, और उसका हाथ पकड़ कर कहे, "आप, वहां इससे बेहतर जीवन है। आपको उन शब्दों का उपयोग नहीं करना चाहिए।" और उसे नम्र, सभ्य तरीके से बताएं। वे सारी बातें एक आराधना है।

और जब हम किसी को बीमार देखते हैं, और डॉक्टर कहता हैं कि और कुछ नहीं किया जा सकता है, हमें यह बताते हुए प्रभु की आराधना करनी चाहिए, "वहां स्वर्ग का एक परमेश्वर है जो प्रार्थना का उत्तर देता है।"

32 और फिर जब हम उन बातों को जगह लेते हुए देखते हैं, जिन्हें हम होते और जगह लेते हुए देखते हैं, हमें इन बातों को कभी जाने नहीं देना चाहिए। हम इसे बस अपनी उंगलियों में से जाने देते हैं। आज बड़ी पेंटीकोस्टल कलीसिया के साथ यही मामला है। वे उसी सबसे श्रेष्ठ लोगो को उनके उंगलियों से फिसलने देते है, जब कि ये उनके हाथों में थी। लेकिन, देखो उन्होंने क्या किया, उन्होंने बाकी के कलीसियाओ की तरह किया। "वे चले हैं–... कोरह के मार्ग में चले, और नाश हो गये; और कैन के मार्ग में, और कोरह की धूर्तता से नाश हो गये।"

33 वे संगठित हो गए है। बजाये हमारे पास एक भाईचारा होने के जहां हम सब एक हो सके, उन्होंने खुद को संगठित कर लिया है। छोटे–छोटे संगठन बना लिए है और छोटे–छोटे नामधारी बनाए और वहीं से उठकर और बस भाईचारे को तोड़ दिया। और यदि आप नहीं देखते हैं, बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन इसे लेने जा रहे हैं, क्योंकि, "परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम की सन्तान को उत्पन्न करने में सक्षम है।" और हमने—हमने इसे एकता से अलग होकर हाथों से फिसलने दिया है।

34 भारतीयों ने श्वेत मनुष्य से इस देश को कैसे खो दिया? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे एकता से विच्छेद हो गए थे। यदि उन्होंने एक बड़ा मोर्चा बनाया होता था... लेकिन वे आपस में एक दुसरे से लड़ रहे थे। यदि वे सभी एक साथ आते तो वे अपनी भूमी को संभाले रखते।

35 हम इसे किस तरह से खोएंगे? क्योंकि हम एकता से विच्छेद हो गए हैं। किस तरह से हम परमेश्वर के साथ अपने अनुभव को खो देते हैं, इसका कारण यह है कि हम एकता से विच्छेद हो जाते हैं। हम एक को स्थापित करते हैं, और *इसे* वो—वो मेथोडिस्ट कहते है, और *इसे* बैपटिस्ट कहते

है, और *यह* असेंबली है, और *यह* वननेस है, और *यह कुछ तो और* है, और चर्च ऑफ गॉड, और नाज़रीन, पिलग्रिम होलीनेस। हम मसीह के शरीर को एकता से विच्छेद करते हैं। हमें कभी भी विभाजित नहीं होना चाहिए। हम हो सकता है विचारों में भिन्न हो, लेकिन आइए ह्रदय से ह्रदय भाई बनें। परमेश्वर चाहता हैं कि हम ऐसे बनें। वह सम्पूर्ण परमेश्वर की कलीसिया के लिए मरा। और हम एकता में विच्छेद नहीं होना चाहते हैं।

इस कारण चाहिए, कि हम उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं... ऐसा न हो कि बहक कर उन से दूर चले जाएं।

क्योंकि जो वचन स्वर्गदूतों के द्वारा कहा गया था जब वह स्थिर रहा, ...

36 आप इसे सुनते हैं? "यदि दूतों के द्वारा बोला गया वचन... " अब, *दूत* "संदेशवाहक" है। वो शब्द *दूत* का अर्थ होता है "एक संदेशवाहक।" और अभी–अभी हम इसमें से होकर गए, यहाँ 1ली किताब में, "परमेश्वर, विविध समयों और भिन्न–भिन्न तरीके से, भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पूर्व पिताओ से बात की।" वह परमेश्वर के संदेशवाहक थे। और वे थे, यदि वे परमेश्वर के सन्देशवाहक थे, तो वे परमेश्वर के दूत थे। एक सन्देशवाहक एक दूत होता है; या मतलब एक दूत एक संदेशवाहक होता है।

37 एक संदेशवाहक! आप आज सुबह एक संदेशवाहक है। आप... आप अच्छी खबर के संदेशवाहक है या यो एक बुरी खबर के संदेशवाहक हैं। ओह, क्या ये सुंदर नहीं है, यह जानकर कि हम राजदूत हैं, कि हम वो दूत हैं, उस पुनरुत्थान के संदेशवाहक हैं? और हम पापी संसार के लिए परमेश्वर के संदेशवाहक हैं, कि मसीह जीवित है। हमारे ह्रदय में, वह रहता है। हमारी आत्माओं में, वह रहता है। और वह हमें पाप के नीचले भ्रष्ट हुए जीवन से निकालता है, और हमें ऊंचा करता है, और हमारे प्राण में एक "हाल्लेलुय्या" को देता है, और हमें नयी सृष्टी बनाता है। हम संदेशवाहक है, वाचा के दूत हैं। कितना अद्भुत है!

38 और अब, पुराने नियम में, "यदि—यदि स्वर्गदूतों का वचन स्थिर था, " इस तरह इसे सही होना था। पुराने नियम में, इससे पहले कि किसी भविष्यव्यक्ता के वचन को प्रकट किया जा सके, इसकी जांच होनी थी और साबित होना था। वे इसके साथ ढीले–ढाले नहीं होते थे, जैसे हम आज हैं।

39 बस बाहर जाते है और किसी भी तरह की सनसनी होती है, या कुछ तो और, "ओह, परमेश्वर की महिमा हो, यही है!" आपको ग़लतफहमी हुई है।

बाईबल ने कहा, कि, "अंत के दिनों में, शैतान मसीहत का नक़ल करेगा, इतना नजदीक, इतना तक यदि संभव हो तो यह बिल्कुल चुने हुए को भी भरमा देगा।" ये सही है। तो, हमें अवश्य ही इसका निरीक्षण करना है।

40 और उन्होंने अपने दिनों में इसका कैसे निरीक्षण किया? ऊरीम तुम्मीम से। हारून का छाती का पटुका, जिस में वे पत्थर लगे हए थे: मसा, यशब, हीरा, माणिक, नीलम। वे सारे पत्थर या रत्न जो इन बारह कुलपतियों के जन्म को प्रतिनिधित्व करते हैं, जो हारून के छाती के पटुके में थे। और जब एक भविष्यद्वक्ता भविष्यद्वाणी को करता, और वह पवित्र प्रकाश उस पर चमकता, तो परमेश्वर ने कहा, "यह सच्चाई है।" लेकिन, कोई फर्क नहीं पड़ता यह कितना भी वास्तविक लगता हो, यदि यह उस पर नहीं चमकता, तो यह सत्य नहीं था। तो, वह ऊरीम तुम्मीम उस याजकगण के साथ जाता है।

41 लेकिन यह बाईबल आज परमेश्वर का ऊरीम तुम्मीम है। और जब कोई भविष्यव्यक्ता भविष्यवाणी को करता है, तो इसे अवश्य ही पूरी तरह से बाईबल के साथ चमकना है। फिर, परमेश्वर कहता हैं, उसके बाद वह नीचे उतर आता है और इसे साबित करता है।

42 ओह, मैं आज परमेश्वर की महिमा किस तरह से कर सकता हूँ! मैं उस एक रविवार की सुबह के बारे में सोच रहा हूँ, लगभग इसी तरह के, जब मैं आरधनालय को छोड़कर जा रहा था। और आप लोग रो रहे थे और मुझसे नहीं जाने के लिए कह रहे थे। लेकिन, जब, मैंने दाऊद और गोलियत पर प्रचार किया, और आप किस तरह से उस ठंडी, बेरूख संसार का सामना करने जा रहे हैं जो कहता है कि अद्भुत कार्य के दिन बीत चुके हैं।

43 मैंने कहा, "वहां एक बड़ा दानव है, और जितना जल्दी हम उसे मार सकते हैं, बाकी के सब हिम्मत बांधेगे।" और प्रभु ने उसे स्वीकृती दी। और फिर वहां पर ओरल रॉबर्ट्स और एक जैगर्स, और इत्यादि थे, उन्होंने तलवार को बाहर निकाल लिया, और हम देश में से शत्रुओं से लड़े, उनके मुंह को बंद किया। वे ऐसा नहीं कह सकते है कि अद्भुत कार्य नहीं होते, क्योंकि यहाँ हैं वे। निश्चय ही। परमेश्वर का वचन अनंत है। यह ऊरीम पर

चमका था। वचन पर चमका, यही उसका ऊरीम तुम्मीम है। और जब यह उस पर चमका, तो यह सकारात्मक था।

और किसी भी जरूरतमंद के लिए, यदि आप एक पापी हैं, आप जानना चाहते हैं कि कैसे बचना है, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे।"

44 आज, हमारे पास बहुत सारी चीजे है जो आपको करना है। "नए पन्नो को पलटना हैं। आपको *ये* करना होगा और *वो* करना होगा, बचने के लिए।"

मैं फिलिप्पी के जेलर के बारे में सोचता हूँ, जब इस जेलर ने पौलुस से पूछा, "बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए? "

यह आप या मैं रहे होते, हमने उसे उन चीजों को बताया होता जो उसे *नहीं* करनी चाहिए। "आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए। आपको अपना—अपना जुआ खेलना छोड़ देना चाहिए। आपको *इसे* छोड़ देना चाहिए। आपको *उसे* छोड़ देना चाहिए।"

पौलुस ने उसे ऐसा कभी नहीं बताया। उसने उसे सिर्फ वही बताया जो उसे करना *चाहिए*। "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, और तुम बच जाओगे।"

45 अब, "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" यही चमकता हुआ ऊरीम तूम्मीम है, संत यूहन्ना 5:24। "मैं प्रभु हूँ जो तुम्हारे सारे रोगों को चंगा करता है।" याकूब 5:14, "प्राचीनो को बुलाकर, उनका तेल से अभिषेक करो, विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाएगी।" उरीम चमक रहा है। देखा? यही परमेश्वर का अनंत वचन है।

46 मैं परवाह नहीं करता कि कितने नास्तिक, अविश्वासी, संशयवादी, संदेहवादी उठ खड़े होते हैं। परमेश्वर अपने वचन के साथ बना रहेगा। उसने प्रतिज्ञा की वह इसे करेगा।

47 "और हमें इन बातों पर अधिक गंभीरता से ध्यान देना चाहिए जो हमने सुनी हैं, ऐसा न हो कि हम उन्हें किसी भी समय जाने दें। क्योंकि यदि दूतों (भविष्यद्वक्ताओं) के द्वारा बोला गया वचन स्थिर था... " क्या वे थे? हम इस बाय पर एक सप्ताह बिता सकते हैं।

48 क्या यह स्थिर था जब मूसा ने बोला? यह निश्चिय ही था।

एलिय्याह के विषय में क्या, पहाड़ की चोटी पर बैठा हुआ था? प्रभु ने उसे बताया, "वहाँ पर जाओ, एलिय्याह। मैं वहाँ तुम्हारे साथ रहूँगा; कुछ संगति चाहता हूँ।" परमेश्वर अपने लोगों के साथ संगति करना पसंद करता है। लेकिन हम उसके लिए इतनी देर तक बने नहीं रहते है कि हमारे साथ संगति करे। हम एक जगह से दूसरी जगह, और बहुत कुछ भूलने में इतने अधिक व्यस्त हैं। "वही बैठे रहो, एलिय्याह।" वो तीन वर्ष और छह महीने की संगती को चाहता था। हम उसे मुश्किल से तीन मिनट भी नहीं दे सकते। तीन वर्ष और छह महीने की निरंतर संगती। ओह, मैं इसे पसंद करता हूँ! कहा, "खाना पकाने के विषय में चिंता मत करो; हम इसकी पहले से व्यवस्था कर लेंगे। तुम्हे कौवे खिलाने जा रहे हैं। और हर एक चीज ठीक होने जा रही है। मैं बस कुछ संगति को चाहता हूँ।" यह बूढ़ा भविष्यद्वक्ता एलिय्याह, उस समय पहाड़ की चोटी पर बैठा हुआ था, जिस समय वो परमेश्वर के साथ संगति कर रहा था, क्यों, कप्तान ने कहा, "मैं विश्वास करता हूँ कि मैं ऊपर जाकर और उससे मिलूँगा।" अब, आप कभी भी उस संगति को तोड़ने की कोशिश न करें।

49 सो, कप्तान अपने पचास पुरूषों की बड़ी सेना के साथ ऊपर आया। और उसने कहा, "मैं—मैं—मैं तुम्हें लेने आया हूँ, एलिय्याह।"

50 और एलिय्याह उठ खड़ा हुआ। देखो, यहाँ है वो प्रभु का भविष्यव्यक्ता! उसने कहा, "यदि मैं प्रभु का एक सेवक हूँ, तो आकाश से आग आकर तुझे भस्म कर दे।" और आग नीचे उतर आई। कप्तान ने कहा...

51 "ओह, तुम जानते हो क्या?" मेरा मतलब राजा ने कहा, "वह हो सकता है एक—एक बिजली का गर्जना है, बस कुछ बिजली तब वहां से होकर जा रही हो, और उसने उन्हें मार डाला। मैं एक और पचास को भेजूंगा।"

52 एलिय्याह, दूतों में से एक, खड़ा हुआ था, उसका वचन स्थिर है। जो कुछ भी गलत किया गया था, उसके लिए उसे एक उचित बदला लेना था। उसने कहा, "यदि मैं एक प्रभु का दास हूँ, तो आग आने को दो।" और दूसरे पचास जन जल गए। तो ठीक है। हर एक का बदला!

क्योंकि जो वचन स्वर्गदूतों के द्वारा कहा गया था जब वह स्थिर रहा और हर एक अपराध और आज्ञा न मानने *का ठीक ठीक बदला मिला...*

53 अब, यहाँ वो महान बात है, अगला पद।

हम कैसे बचें निकलेंगे,...

54 "हम कैसे बच निकलेंगे?" यदि एलिय्याह के शब्द से विनाश हुआ, क्योंकि वो एक प्रभु का दूत था, हम कैसे बच निकलेंगे जब कि मसीह की आवाज उसमें से होकर बोल रही है? या, जब आप के लिए प्रार्थना की गयी है तो हम कैसे विफल हो सकते हैं, यदि यह मसीही की आवाज है? यदि मसीह ने अपनी कलीसिया को बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए नियुक्त किया है, और कलीसिया वही करती है जो वो कहता है... उन्हें करने के लिए कहता है, तो यह भला कभी असफल कैसे हो सकता है? यह नहीं हो सकता। आप असफल हो सकते हैं, लेकिन यह असफल नहीं हो सकता। और जब तक आप इसे रखते हैं, यह आपको इसमें से होकर आगे ले जाएगा।

55 यदि आप असफल होते हैं, तो आप स्वयं असफल होते हैं। आप बस वचन से दूर हो जाते है। लेकिन जब तक आप वचन के साथ बने रहते हैं, यह विफल नहीं हो सकता। क्योंकि भविष्यद्वक्ताओं के वचन ने *ऐसा–और–ऐसा* किया, तो मसीह का वचन कितना अधिक होगा?

> *तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रह कर क्योंकर बच सकते हैं; जिस की चर्चा पहिले* पहिल *प्रभु के द्वारा हुई, और सुनने वालों के द्वारा हमें निश्चय हुआ;*

56 इस पर सोचे, प्रभु द्वारा बोला गया। हम कितनी बार पीछे जा सकते थे? हम कहाँ रुक सकते थे, ठीक यहाँ एक घंटे के लिए? जब यीशु आया, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

57 अब, याद रखें, पहले स्वयं यीशु के द्वारा बोलना आरंभ होता है, और उसके बाद सुननेवालों ने उसकी पुष्टि की गयी थी। अब उसकी सुनो।

58 जब वह धरती पर आया, तो उसने चंगा करने वाला होने का दावा नहीं किया। उसने कहा, "यह मैं नहीं हूं जो काम को करता है; यह मेरा पिता है जो मुझ में रहता है। वो काम को करता है। पुत्र अपने आप में कुछ नहीं कर सकता, लेकिन वो जो पिता को करते देखता है," संत यूहन्ना 5:19।

59 देखो जब फिलिप्पुस उसके पास आया। नतनएल... फिलिप्पुस के मत परिवर्तन के बाद, वह उसके पास जाकर और नतनएल को ले आया। कहा, "आकर, देखो कि हमने किसे पाया है: नासरत का यीशु, यूसुफ का पुत्र।"

60 और उसने कहा, "क्या नासरत से कोई अच्छी चीज़ आ सकती है? "

61 कहा, "आकर देखो।" यही यकीन दिलाने का तरीका है: इसे साबित करें। आकर और देखे। ओह, यही सबसे अच्छा है मैंने कभी सुना है। आके और अपने आप के लिए पता करे। बाहर खड़े होकर और किनारे की पंक्ति पर आलोचना न करें, लेकिन, "सारी बातों को साबित करे, और जो अच्छा है उस पर मजबूती से बने रहे।" आकर और देखे।

62 सड़क पर वे बात करते हुए साथ–साथ गए। जब वो प्रभु यीशु की उपस्थिति में चलकर गया, तो उसने कहा, "देखो एक इस्राएली, जिसमें कोई कपट नहीं है।"

63 इसने उसके बारे में लगभग सब बता दिया। उसने यहाँ–वहां देखा, कहा, "अच्छा, रब्बी, आपने मुझे कब जाना? आपने मुझे कभी नहीं देखा। आप मुझे कैसे जानते हो? " फिलिप्पुस ने कहा...

64 "इससे पहले, जब वो बुलाता... " कहा, "इससे पहले कि फिलिप्पुस तुम्हे कल बुलाता, जब तू अंजीर के पेड़ के नीचे था, तब मैं ने तुझे देखा था।" आमीन।

65 उसने कहा, "आप परमेश्वर के पुत्र हैं। आप इस्राएल के राजा हैं।"

66 एक स्त्री उसकी उपस्थिति में चलकर आयी, और उसने कहा, "जाओ, अपने पति को ले आओ।"

उसने कहा, "मेरे पास कोई नहीं है।"

67 कहा, "यह सही है। तेरे पाँच हुए है, और जिसके साथ आप अब रह रही हैं वो तेरा नहीं है। तूने सच कहा।" इस पर सोचे।

68 उसने कहा, "श्रीमान, मैं यकीन करती हूं कि आप भविष्यव्यक्ता हैं। कि, हम यह जानते हैं कि जब मसीहा आएगा तो वह हमें सारी बातों को बताएगा।"

69 उसने कहा, "मैं वही हूं, जो तुझसे बात कर रहा है।"

70 और वह दौड़कर और नगर के लोगों को बताने लगी, "आकर, एक मनुष्य को देखो जिसने मुझे वो सब बताया जो मैंने किया था। क्या यह मसीहा नहीं है? " यह प्रभु के द्वारा बोला गया था।

71 क्या हुआ? यीशु ने कहा, उसके जाने से पहले, "जो काम मैं करता हूं, वो तुम भी करोगे।" क्या यह सही है? "जो काम मैं करता हूं, वो तुम भी करोगे, वरन इससे भी बढ़कर करोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।" ओह, मैं उन्हें हर जगह देख सकता हूँ, आगे जाते हुए। मरकुस 16, "हर कहीं जाते हुए, प्रचार करते हुए; प्रभु उनके साथ काम कर रहा है, वचन की पुष्टि करते हुए।"

और यहाँ, पौलुस, वही बात को दे रहा है। उसने कहा कि वो—वो सुसमाचार का प्रचार यीशु के द्वारा किया जाना आरंभ हुआ, और इसकी पुष्टि की गयी वे जिन्होंने उसे सुना। यही वो बुनियाद का पत्थर है। ओह, प्रभु का नाम धन्य हो! यही वो बुनियाद का पत्थर है।

72 और सोचने के लिए, दो हजार वर्ष बीत चुके हैं। नास्तिक और सन्देहवादी, और संशयवादी, और अज्ञेयवादी उठ खड़े हुए है। लेकिन, आज, वही यीशु अपने वचन की पुष्टि उसी तरह से करता हैं उनके द्वारा जो उसे सुनते हैं। "उसकी सुनों, " इतका मतलब एक केवल उपदेश सुनने से नहीं है। इसका मतलब है, *उसकी* सुनो। जी हां।

73 हम कैसे बच निकलेंगे? हमारा बच निकलना कहाँ है? ओह, आप कहते हो, "परमेश्वर धन्य है, मैं मेथोडिस्ट कलीसिया से संबंधित हूं। मैं एक प्रेस्बिटेरियन हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं।" इसका इसके साथ कोई लेना–देना नहीं है। और आप एक ओर अलग हो जाते हैं और इसे हैं "आत्मिकवाद, या कुछ तो मानसिक मनो को पढना कहना चाहते है, या कोई शैतान, " या कुछ तो और। उन्हें शर्म आनी चाहिए!

74 "यदि हर एक शब्द दूतों के द्वारा स्थिर था... " यीशु ने कहा, "यह... थोड़ी देर, रह गयी है और संसार अब मुझे और ना देखेगा। फिर भी, तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहां तक कि तुम में रहूँगा, युग के अंत तक।" और जब हम उसे नीचे आते देखते हैं, ताकि उसके वचन की निरंतर पुष्टि करते रहें, तो हम कैसे बच निकलेंगे यदि हम किसी कलीसिया सहायता करे, या किसी संगठन की, या संप्रदाय, या हमारे खुद के कुछ छोटे पसंद के सिद्धांत? बेहतर होगा कि आप ऐसे ही छोड़ दे। "क्योंकि

जो वचन दूतों के द्वारा कहा गया उसका हर एक अपराध का बदला मिला, तो कितना अधिक होगा जब परमेश्वर का पुत्र स्वर्ग से बोल रहा है, ताकि अपना वचन प्रकट करे! हम कैसे बच निकलेंगे, यदि हम इतने महान उद्धार को अनदेखा करते हैं? " ओह, प्रभु! "परमेश्वर भी... "

4था पद:

साथ ही परमेश्वर भी उनकी गवाही दे रहा है,...

75 इसे देखना। प्रभु ने गवाही दी। ओह, मैं इसके लिए बहुत ही खुश हूँ! प्रभु ने गवाही दी।

76 देखा। जब एलिय्याह पहाड़ी पर बैठा था, और उसने कहा, "यदि मैं परमेश्वर का जन हूं, तो अग्नि स्वर्ग से उतेर आये और तुम्हें भस्म कर दे।" परमेश्वर ने गवाही दी कि वह परमेश्वर का जन *था*।

परमेश्वर हमेशा गवाही को देता हैं। आपका जीवन गवाही को देगा। मैं नहीं जानता कि आपकी गवाही क्या है, लेकिन आपका जीवन इतना जोर से बोलता है, आपकी आवाज को नहीं सुनी जा सकता। लेकिन आपका—आपका जीवन, आपका रोजाना का जीवन इस बात की गवाही देगा कि आप क्या हैं। परमेश्वर गवाही जो देता हैं। जी हां। पवित्र आत्मा एक मोहर है, और एक मोहर कागज के दोनों ओर लगती है। वे देखते हैं आप *यहां* खड़े हुए है और आपको देखते है जब आप दूर जाते हैं। न केवल कलीसिया में लेकिन हर एक दिन के काम में। आप अंदर और बाहर दोनों तरफ से मोहर होते हैं। उसके द्वारा जो आनंद आपके पास है, और उस जीवन के द्वारा जो आप जीते हैं, आप मोहर हुए, अंदर और बाहर से, कि आप जानते हैं कि आप बच गए हैं और संसार जानता है कि आप बच गए हैं, उस जीवन के द्वारा जो आप जीते है, क्योंकि परमेश्वर गवाही को देता है। उसका पवित्र नाम धन्य हो! मेरे प्रभु, मैं धार्मिक अनुभव करता हूँ!

77 इस पर वहां सोचे, भाइयों। ओह! "मेरी भेड़ें मेरी आवाज को सुनती हैं, और वे एक अजनबी के पीछे नहीं जायेगी।" ओह, किस तरह से हमारे नाम उसके हाथों की हथेलियों पर हैं! यह दिन और रात उसके सामने है। उसका वचन हमेशा उसके सामने होता है, उसकी प्रतिज्ञा। वो इसे नहीं भूल सकता है। और वो आपसे प्रेम करता है।

78 अब, वो उसके अपनों की गवाही को देगा। आप अपना मुंह खोलकर और एक शब्द भी न कहें, संसार जान जाएगा कि आपके साथ कुछ तो हुआ है।

इस की गवाही देता रहा, चिन्हों, और अद्भुत कामों, और नाना प्रकार के सामर्थ के कामों, और पवित्र आत्मा के दानो को, अपनी इच्छा के अनुसार?

79 आइए अब बंद करने से पहले केवल एक वचन को लेंगे; पेंटीकोस्ट के दिन पर, जब उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया। लगभग चार दिन के बाद, पतरस सुंदर नामक फाटक से होकर गुजरा, वो और यूहन्ना। उन्होंने एक मनुष्य को कहा, "हमारी ओर देख।" और उसने कहा, "चाँदी और सोना मेरे पास नहीं है, लेकिन जो मेरे पास है, मैं तुम्हें देता हूँ। नासरत के यीशु मसीह के नाम में, उठ और चल।" और उस मनुष्य ने उस की ओर देखा और कभी इसके बारे में कुछ भी सवाल नहीं पूछा। वह बस खड़ा हो गया और चलकर निकल गया। वे अनपढ़ और गवार मनुष्य थे। लेकिन बाईबल ने कहा, "उन्हें उन पर ध्यान रखना था, क्योंकि वे जानते थे कि वे यीशु के साथ रहे थे।"

80 भाई, जब संसार जानता है कि आप यीशु के साथ रहे हैं, जब आप इस वर्तमान संसार में और इस अंधकार में ऐसे शुद्ध या मिलावट रहित जीवन को जी सकते हैं, जिसे संसार जानता है और देख सकता है कि आप यीशु के साथ रहे हैं, जब रास्ते की एक अशिष्ट, अश्लील वेश्या, मेम्ने के लहू में धुली हुई एक स्त्री बन सकती है, परमेश्वर गवाही को दे रहा है कि वह जीवित है।

81 एक शराबी को लेता है, जो इतना नीचे गिरा हुआ है कि वह अपनी पत्नी के प्रति विश्वासघाती है, कि वह अपने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करता है, और टेबल से खाने को लेता है, और वेश्या पर लुटाता है। उसे एक बार यीशु के साथ आने दो, आप उसे वापस लौटते हुए देखेंगे, सेना के जैसे, जो अपने सही दिमाग में था और सही कपड़े पहने हुए था, उसके बच्चों और उसकी पत्नी और अपने प्रियजनों के लिए। निश्चित रूप से।

82 कुछ समय पहले, लगभग चालीस वर्ष पहले, जब संसार के धर्मों की मुलाकात हुई थी, और भिन्न–भिन्न लोग उठकर बोलने लगे। और मुसलमान ने मुसलमान धर्म के लिए बात की। जैनियों ने जैनियों के लिए

बात की; बुद्ध के लिए बौद्ध के लिए बात की। और जब छोटा सा डॉक्टर, मैं उसका अंतिम नाम भूल जाता हूं कि क्या था, बस इस समय पर, मैं उसका नाम जानता था, लेकिन मैं इसे भूल गया हूं, उसने मसीहत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बात की, और उसने अमेरिका में ओक्लाहोमा की लेडी मैकाबी की कहानी सुनाई।

वह इतनी चिडचिडी और इतनी गिरी हुई थी, यहाँ तक कि जब वे उसे मारने के लिए गए, उन्होंने यहाँ तक उसे हाथ भी नहीं लगाया, वह इतनी अश्लील और भ्रष्ट थी। उन्होंने उसे एक आरोप में गिरफ्तार किया था: सिगार पीती थी; एक घोड़े की बग्गी को चलाती; और उन—उन—उनके कानून को तोडा, जो ओक्लाहोमा में दर्ज थे, जब वह चार घोड़ों की बग्गी से रास्ते से होकर गुज़री थी। और वह इतनी भ्रष्ट और इतनी गंदी थी इतना तक कि समाज उस जगह के आस–पास भी नहीं होता जहां पर वो होती थी; बहुत अधिक, इतना तक जब जल्लाद उसे फाँसी देने वाले थे, वे उसे फांसी पर नहीं चढ़ाते। उन्होंने उसे मारने के लिए बस उस पर डामर और पंख डाले।

और जब यह छोटा सा प्रचारक अपनी कहानी इस प्रकार से सुना रहा था, इतना तक वे लोग उनकी सीटों के अंत में बैठे हुए थे इसे ध्यान से सुन रहे थे कि आगे क्या होगा। जब वह इस बात पर आया: कि बहुत भ्रष्ट, गन्दी, गिरी हुई, इतना तक कि कानून भी उसके साथ मूर्खता करना नहीं चाहेगा, वह इतनी गिरी हुई थी। नरक का वही शैतान लगभग ऐसे व्यक्ति को अस्वीकार कर देगा, जिस तरह से उसने कहानी को सुनाया था। तब उसने कहा, "संसार के धर्मों के सज्जन लोगो, क्या आपके धर्म में ऐसा कुछ है जो लेडी मैकाबी के हाथो को साफ करे? "

83 हर एक जन शांत बैठा हुआ था। उसके बाद अपने हाथो से ताली बजाई और हवा में कुद पड़ा। उसने कहा, "परमेश्वर की महिमा हो! यीशु मसीह का लहू न केवल उसके हाथो को साफ करेगा, लेकिन ये उसके ह्रदय को साफ करेगा और उसे अपनी दुल्हन बनायेगा।" आपको बताता हूँ:

अद्भुत अनुग्रह! कितना मधुर सुन पड़ता है,
कि मेरे जैसे एक घृणित को बचा लिया!

मैं एक समय खो गया था, लेकिन अब मुझे पा लिया
गया है,
मैं अंधा था, लेकिन अब मैं देखता हूं।

यह अनुग्रह है जिसने मेरे हृदय को डरना सिखाया,
यह अनुग्रह था मेरे डर को दूर किया;
कितना बहुमूल्य अनुग्रह दिखाई पड़ा,
जिस घड़ी मैंने पहली बार विश्वास किया!

84 निश्चित रूप से। "हम कैसे बच निकलेंगे, यदि हम इस तरह अनदेखा करते हैं? " आप खाने को अनदेखा करते है, तो आप मर जायेगे। आप एक कोने पर मुड़ने को अनदेखा करते हैं, तो आप टक्कर खाएंगे। तुम गाय से दूध निकालने को अनदेखा करोगे, तो वह सूख जाएगी। आप अपने दांतों को अनदेखा करते हैं, तो आपको उन सभी को बाहर निकालना होगा। निश्चित रूप से। आप अपने अनदेखा करने के लिए भुगतान करते हैं।

85 हे ब्रंहम टेबरनेकल और आप जो मेहमान है, अब मैं आपको कुछ बताता हूँ। आप परमेश्वर की महिमा की गवाही देने को अनदेखा करते है, आप परमेश्वर की स्तुति और महिमा देने को अनदेखा करते है, आप इन दिनों में से एक दिन, अपने आप को ठंडा, औपचारिक और पिछड़ा हुआ पाएंगे। आप परमेश्वर की स्तुति करे। "यदि हम ऐसे महान उद्धार को अनदेखा करते हैं, तो हम कैसे बच निकलेगे? "

86 देर हो रही है। मैंने अभी–अभी भाई थॉम की ओर दिया है, जो वहाँ पीछे चले गए। हम बंद करेंगे और इसे आज रात को जारी रखेंगे, प्रभु ने चाहा तो।

आइए कुछ क्षण प्रार्थना करें।

87 हमारे स्वर्गीय पिता, आपकी आशीष, और स्तुति, और आदर, और महिमा, और ज्ञान, और शक्ति, और सामर्थ होवे, हमेशा और हमेशा के लिए। ओह, उस मेम्ने को जो सिंहासन पर बैठा था, अधिकार और राज्य और हर एक चीज उसके हाथ में दे दिया गया था। जब वह मरे हुओं में से जिलाया गया, हमारे धर्मिकरण के लिए, उसने संसार के लिए चिल्लाया, "स्वर्ग और धरती की सारी सामर्थ मेरे हाथ में दी गयी है। सो इसलिये तुम सारे जगत में जाकर और सुसमाचार का प्रचार करो।"

हे प्रिय मरते हुए मेमने, तेरा बहुमूल्य लहू
अपनी सामर्थ को कभी नहीं खोएगा,
परमेश्वर की कलिसिया के समस्त छुड़ाने तक
बचाये गए, कि अब और पाप ना करें।

88 सेवकों के नाई, यह देखने में हमारी सहायता करें कि हमें बहुत अधिक आवश्यकता है; किस तरह से हमारे पास एक कलीसिया होना अवश्य है, हमारे पास *यह* होना चाहिए, हमारे पास सब कुछ होना अवश्य है।

89 हमारी महिलाएं, कलीसिया जाने से पहले, जो तब भी अपने आप को मसीही कहती हैं। उनके पास एक खास तरह की पोशाक को होना चाहिए, या वे ऐसे पोशाक को पहने हुए हो जो सजी–सजाई हो।

और प्रचारकों के पास इतना अधिक पैसा होना चाहिए, इससे पहले कि वे आये, और हर एक चीज *फलां–और फलां* होना है।

90 हे मसीह, जब मैं यहाँ पढ़ता हूँ, किस तरह से "वे भेड़–बकरियों और बकरियों की खालों में इधर–उधर भटकते फ़िरे, धरती की मांदों और गुफाओं में रहते थे, वे घोर सताहट में इधर–उधर भटकते रहे, तौभी विश्वास को प्राप्त किया," दूतों की सेवकाई के नीचे, हम कैसे बच निकलेंगे, जब प्रभु यीशु ने हमें अच्छे घर, और गाड़ियाँ, और वस्त्र, और भोजन देता है, और हम कुड़कुड़ाते हैं, हम ऐसे ही बैठे रहते हैं, हम आलसी हैं, हम कभी भी बाहर निकलकर और इसके विषय में कुछ करने की कोशिश नहीं करते हैं, हम कैसे बच निकलेंगे, परमेश्वर?

91 ओह, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हर एक हृदय में पुराने समय के विश्वास को जलाएंगे, इस सुबह, प्रभु, जिससे कि लोग ऊपर और उस पर हो सके। आइए हम काम करें जब दिन का उजियाला चमक रहा है, क्योंकि सूरज तेजी से डूब रहा है। और रोजना का जीवन जा रहा है, और अब और समय नहीं रहेगा। यह अनंतता में मिश्रित हो जाएगा।

92 हे परमेश्वर, आज प्रदान करे कि हम नए दर्शन के साथ जाये, ज्ञान के साथ, समझ के साथ, यह जानने के लिए कि कैसे पापियों के पास जाकर और उन्हें मसीह के पास लाना है। अपने दास की प्रार्थना सुने, प्रभु।

93 मैं मांगता हूँ, यदि यहाँ कोई है, जो मसीह को अपने उद्धारकर्ता के नाई नहीं जानता है, तो क्या आप अपना हाथ उठाकर कहेंगे, "मुझे याद करना, भाई ब्रंहम"? क्या आप बस अपने हाथ उठाकर कहेंगे, "मुझे याद

करे। मैं मसीही बनना चाहता हूं। मैं इसे अब और अनदेखा नहीं करना चाहता"? परमेश्वर आपको आशीष दे, वहाँ पीछे, श्रीमान। कोई और है? कहे, "मैं अपने हाथ को उठाना चाहता हूं, भाई ब्रंहम। और मैं मसीह को अपने उद्धारकर्ता के नाई स्वीकार करना चाहता हूं, जिसको मैंने हर समय अनदेखा किया है। ओह, मैं कलीसिया जाता हूं, निश्चिय ही, मैं कलीसिया से संबंधित हूं।"

***इब्रानियों, अध्याय दो** 1* HIN57-0825M

(Hebrews, Chapter Two [1])

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 25 अगस्त, 1957, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org